

14.12.21

पञ्जाब 'वेस्ट' वल्लेव-डिस्ट्रिक्ट  
उपरी पञ्जाब 'लारस' हेतु-डिक्ट  
06-1-21 को-वेस्ट

उपखण्ड अधिकारी  
खीवसर नांगर

6.1.21

पञ्जाब 'वेस्ट' वल्लेव-डिस्ट्रिक्ट  
उपरी लारस 'उगम पञ्जाब' की-  
दुनी-डिस्ट्रिक्ट पञ्जाब 'वेस्ट'-हेतु-  
डिक्ट 29-1-21 को-वेस्ट

उपखण्ड अधिकारी  
खीवसर नांगर

29-1-21

पञ्जाब 'वेस्ट' प्रसिद्ध कायवाहा  
विस्तार आर 25 (4) अंतर्गत-  
को-लोक-विभागा-के-निष्ठ-  
मिशन-पुस्तक-के-निष्ठ-  
कार-रखवाडा-शा. निम्न-विभागा-  
को-वर्ष-हो-  
पञ्जाब 'वेस्ट' सुभार-वेस्ट-  
कार-मना-दारी-व-रखवा

उपखण्ड अधिकारी  
खीवसर नांगर

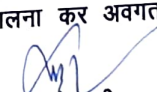
तहसीलदार खींवसर कि रिपोर्ट के सलंगन नजरी नक्शा के अनुसार प्रस्तावित रास्ता से बी की लम्बाई अन्य रास्ता सी से डी की लम्बाई से कम प्रतीत होती है। तथा राजस्व ग्रुप-6) विभाग के परिपत्र कमांक प.3 (52) राज/6/124 दिनांक 14.06.2013 के परिपत्र में ह प्रावधान दिया हुआ है कि खातेदार जिसको जोत तक पहुँचने के लिए अन्य खातेदारी जोत में से होकर नया मार्ग बनाना है तो उसका प्रावधान राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 251 अ में दिया गया है लेकिन उक्त प्रावधान केवल खातेदारी की भूमि के रास्ते के संबन्ध में ही है। लेकिन ऐसे प्रकरण जिसमें खातेदार को अपनी जोत में पहुँचने के लिए कोई रास्ता नहीं है खातेदार राजकीय भूमि में से होकर अपनी जोत में पहुँच सकता है। उक्त प्रकरण में भी खातेदार अपनी जोत में आने जाने के लिए गैर मुमकिन मगरा में से रास्ता चाहा गया है। उक्त परिपत्र के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि प्रार्थी द्वारा चाहा गया गैर मुमकिन मगरा में से परिपत्र के परिप्रेक्ष्य में दिया जा सकता है।

अतः उपरोक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थी का आवेदन अन्तर्गत धारा 251 अ को स्वीकार किया जाता है।

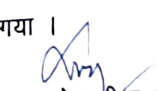
आदेश

अतः प्रार्थी को मौजा खींवसर के खेत खसरा नंबर 1516 में आवागमन हेतु गैर मुमकिन मगरा संख्या 1521 रकबा 281.12 बीघा में से मौका रिपोर्ट के साथ नजरी नक्शा के अंकित अ से 15 फुट चौड़ा दिये जाने के आदेश दिये जाते हैं तथा रास्ते में जाने वाली भूमि की गणना न सरकार राजस्व (ग्रुप-6) विभाग के परिपत्र कमांक प.3 (52) राज -6/12/4 दिनांक 013 के अनुसरण में प्रार्थी से उक्त प्रभावित आराजी 13 बिश्वा का ढाई गुना प्रतिकर शुल्क 3,050 रुपये राजकोश में प्रार्थी से जमा करवाई जाकर उक्त रास्ते का राजस्व रिकार्ड में कर उक्तानुसार राजस्व नक्शे में तरमीम करने हेतु तहसीलदार खींवसर को आदेश दिये जाते हैं।  
उक्त रास्ते पर किसी भी पक्षकारान का निजी स्वामित्व नहीं रहेगा। यह रास्ता एक नए रास्ता रहेगा जो सभी के लिए उपयोग उपभोग में काम आयेगी।

नोट:- उपरोक्त खसरा पर किसी भी न्यायालय का स्थगन आदेश न हो तो एवं किसी भी बैंक में उक्त खसरा रहन हो तो रहन मुक्त होने के प्रश्चात उक्त आदेश की पालना कर अवगत करावे। खर्चा पक्षकारान अपना अपना वहन करें।

  
राजकेश मीना RAS  
(उपखण्ड अधिकारी)  
खींवसर

उक्त निर्णय आज दिनांक : ..... को सरे इजलास सुनाया गया।

  
राजकेश मीना RAS  
(उपखण्ड अधिकारी)  
खींवसर